भारतीय परिवारों की वित्तीय संपत्ति का अनुमान लगाना

अनुपम प्रकाश, सूरज एस, ईशू ठाकुर और मौसमी प्रियदर्शिनी^ द्वारा

यह अध्ययन जून 2011 से मार्च 2023 तक भारतीय परिवारों की वित्तीय संपत्ति का तिमाही अनुमान प्रस्तुत करता है, जिसमें संपत्ति की कीमतों में बदलाव के लिए सूचीबद्ध इक्विटी लेखांकन में उनके निवेश भी शामिल हैं। मार्च 2023 के अंत में, घरेलू वित्तीय संपत्ति सकल घरेलू उत्पाद का 135.0 प्रतिशत थी जबकि उनकी वित्तीय देयताएं सकल घरेलू उत्पाद का 37.8 प्रतिशत थीं; इस प्रकार उनकी निवल वित्तीय संपत्ति सकल घरेलू उत्पाद का 97.2 प्रतिशत थी। घनिष्ठ संपर्क सेवाओं पर प्रतिबंध और देयताओं में धीमी वृद्धि के बीच कोविड-19 महामारी के दौरान वित्तीय संपत्तियों में बढ़ोतरी के कारण मार्च 2020 के अंत और मार्च 2023 के अंत के बीच निवल वित्तीय संपत्ति में 12.6 प्रतिशत अंक की वृद्धि हुई। 2011-12 से 2022-23 तक इक्विटी और परिवारों के निवेश फंड में 1.5 गुना से अधिक बढ़ोतरी हुई। इस अवधि के दौरान घरेलू ऋण और वित्तीय आस्तियों का अनुपात स्थिर रहा है।

परिचय

उपभोग, बचत और समग्र आर्थिक गतिविधि के प्रमुख चालक के रूप में परिवार[1] किसी भी समष्टि आर्थिक ढांचे का आधार बनते हैं। घरेलू उपभोग उनकी आय के साथ-साथ संपत्ति पर भी निर्भर करता है। इस संदर्भ में, घरेलू वित्तीय स्थिति की निगरानी न केवल उनकी स्वयं की भलाई का बेहतर मूल्यांकन प्रदान करती है, बल्कि दूरदर्शी मौद्रिक नीति के लिए विकसित हो रही निजी खपत और आर्थिक गतिविधि की समझ को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकती है (लेटौ एट *अल.* 2002; लुडविग और स्लोक, 2004)। आवधिक बचत या बचत के अलावा, परिवारों की निवल संपत्ति, जिसे कुल आस्ति धारिता (वित्तीय और गैर-वित्तीय) और उस अवधि के दौरान संचयित देनदारियों के बीच अंतर के रूप में परिभाषित किया गया है, लाभ या हानि (पुनर्मूल्यांकन) और मात्रा[2] में अन्य परिवर्तनों से भी प्रभावित होती है (ओईसीडी, 2017)। देनदारियों के निवल वित्तीय आस्तियों के भंडार पर ध्यान केंद्रित करने वाली निवल वित्तीय संपत्ति (एनएफडब्ल्यू) का विकसित प्रक्षेपवक्र संभावित वित्तीय कमजोरियों और घरेलू ऋण स्थिरता के लिए आशय का आकलन करने में मदद कर सकता है।

अधिकांश देशों में घरेलू संपत्ति का पता लगाने के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रमुख डेटा स्रोत (i) यह घरेलू संपत्ति सर्वेक्षण और (ii) घरेलू तुलन पत्र (एचबीएस) हैं। सर्वेक्षण, हालांकि गैर-वित्तीय आस्तियों के अनुमान सहित संपत्ति वितरण प्रस्तुत करने में अधिक व्यापक हैं, विशेष रूप से धनी परिवारों द्वारा प्रतिक्रिया न देने और कम रिपोर्टिंग से प्रभावित हो सकते हैं (शॉर्रोक्स *एट अल.*, 2023)। इस संदर्भ में, क्षेत्रीय तुलन पत्र डेटा घरेलू वित्तीय स्थिति का समय पर और अधिक विश्वसनीय स्रोत प्रदान कर सकता है[3]। तदनुसार, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने 2011-12 से डेटा को कवर करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय भण्डार और धन प्रवाह (एफएसएफ) के रूप में धन डेटा के प्रवाह के साथ-साथ वित्तीय आस्तियों और देयताओं का क्षेत्र-वार भण्डार 2019 से प्रकाशित किया (एनएससी (2018), प्रकाश *एट अल.*, 2019)।[4] इसके बाद, घरेलू क्षेत्र की चुनिंदा वित्तीय संपत्तियों और देयताओं का बकाया भण्डार तिमाही आधार पर जारी किया गया है, जिसमें 2018 से आरबीआई बुलेटिन में प्रकाशित डेटा शामिल है (प्रकाश *एट अल*, 2018)। इन पहलों को जारी रखते हुए, यह

^ लेखक आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग से हैं। इस लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

[1] अध्ययन में उल्लिखित परिवार में परिवारों के साथ-साथ परिवारों के सेवा प्रदाता गैर-लाभकारी संस्थान (एनपीआईएसएच) अर्थात, इसमें वे कानूनी संस्थाएं शामिल हैं, जो मुख्य रूप से परिवारों या बड़े पैमाने पर समुदाय के लिए गैर-बाजार सेवाओं के उत्पादन में लगी हुई और जिनके मुख्य संसाधन स्वैच्छिक योगदान हैं (एसएनए, 2008)।

[2] आस्तियों की मात्रा (ओसीवी) में अन्य परिवर्तन विनाशकारी घटनाओं, गैर-भुगतान के कारण ऋणों को बट्टे खाते में डालने, जब्ती आदि के कारण होने वाले नुकसान से उत्पन्न हो सकते हैं।

[3] 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के कारण क्षेत्रीय कमजोरियों के आकलन की आवश्यकता तीव्र होने के कारण, जी-20 डेटा गैप इनिशिएटिव (डीजीआई) ने राष्ट्रों को क्षेत्रीय खातों पर उच्च आवृत्ति डेटा के माध्यम से अंतर-क्षेत्रीय प्रवाह को ट्रैक करने की सिफ़ारिश की।

[4] राष्ट्रीय लेखा प्रणाली (एसएनए), 2008 द्वारा प्रदान किए गए वर्गीकरण के आधार पर, एफएसएफ में क्षेत्रीय खातों में पांच क्षेत्रों, अर्थात् वित्तीय निगमों, गैर-वित्तीय निगमों, सामान्य सरकार, परिवारों और परिवारों के सेवा प्रदाता गैर-लाभकारी संस्थान (एनपीआईएसएच) और शेष विश्व के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

लेख त्रैमासिक घरेलू वित्तीय तुलन पत्र[5] यानी, जून 2011 से मार्च 2023 तक वित्तीय आस्तियों और देयताओं के भण्डार प्रस्तुत करता है। पीछे जाते हुए, जून 2011 तक के डेटा को लेते हुए, यह लेख घरेलू निवेश को सूचीबद्ध इक्विटी के साथ-साथ पेंशन स्टॉक और भविष्य निधि[6] में शामिल करते हुए इसका दायरा बढ़ाता है।

लेख का शेष भाग इस प्रकार संरचित है: घरेलू संपत्ति को मापने के वर्तमान दृष्टिकोण, उपलब्ध डेटा स्रोतों के साथ-साथ इक्विटी संपत्ति के अनुमान पर अनुभाग II में चर्चा की गई है। खंड III उभरती संरचना और प्रवृत्तियों के साथ घरेलू वित्तीय संपत्ति पर त्रैमासिक श्रृंखला के अनुमान प्रस्तुत करता है। अंतिम खंड घरेलू संपत्ति के आकलन में मौजूदा मुद्दों और घरेलू वित्त की अधिक मजबूत निगरानी की दिशा में आगे बढ़ने के तरीके के साथ समाप्त होता है।

II. डेटा और कार्यप्रणाली

वार्षिक और त्रैमासिक आधार पर संस्थागत क्षेत्रीय प्रवाह और तुलन पत्र डेटा के संकलन और प्रसार को जी-20 डेटा गैप इनिशिएटिव (डीजीआई-2) की सिफारिश II.8[7] में रेखांकित किया गया था। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) द्वारा रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के आधार पर, 42 देश तिमाही आधार पर वित्तीय तुलन पत्र (गैर-समेकित) डेटा प्रदान करते हैं (सारणी1)।

एक विकासशील अर्थव्यवस्था में, घरेलू आस्तियों का बड़ा हिस्सा गैर-वित्तीय होता है, लेकिन जैसे-जैसे बाजार अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण होता है, वित्तीय संपत्तियों की हिस्सेदारी बढ़ने लगती है (शोरॉक *एट अल*., 2019)। डेटा उपलब्धता के मुद्दों को देखते हुए, यह अध्ययन भारतीय परिवारों की वित्तीय संपत्ति[8] पर केंद्रित है। हालाँकि, ऋण के गैर-संस्थागत स्रोतों, यानी, जमींदार, कृषि साहूकार, पेशेवर साहूकार, इनपुट आपूर्तिकर्ता, रिश्तेदार और दोस्त, चिट फंड, बाजार कमीशन एजेंट/व्यापारी, आदि से संबन्धित डेटा शामिल नहीं किया गया है। यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि अखिल भारतीय ऋण और निवेश सर्वेक्षण (एनएसओ, 2021) के अनुसार, गैर-संस्थागत ऋण एजेंसियों से आईओआई में गिरावट के साथ-साथ संस्थागत ऋण एजेंसियों से ऋणग्रस्तता की घटनाओं (आईओआई)[9] में एआईडीआईएस

सारणी 1: ओईसीडी को डेटा रिपोर्ट करने वाले देश

आवृत्ति	वित्तीय तुलनपत्र (स्टॉक)		वित्तीय खाते (प्रवाह)	
	गैर-समेकित	समेकित	गैर-समेकित	समेकित
वार्षिक	44	40	45	40
त्रैमासिक	42	35	40	35

नोट: 1. समेकित डेटा एक साथ समूहीकृत संस्थागत इकाइयों जैसे कि वे एक एकल इकाई का गठन करते हो, के बीच की स्टॉक स्थिति और प्रवाह को समाप्त कर देता है,

2. भारत के लिए डेटा वार्षिक वित्तीय तुलन पत्र में गैर-समेकित और वित्तीय खातों में गैर-समेकित है।

3. देशों की गणना 31 मई 2024 तक है।

स्रोत: ओईसीडी आँकड़े।

5 वित्तीय खातों के संदर्भ में तुलन पत्र "वित्तीय तुलन पत्र" को संदर्भित करता है जो वित्तीय आस्तियों और देयतायों के स्टॉक को दिखाता है, न कि कुल तुलन पत्र को जो गैर-वित्तीय आस्तियों के स्टॉक को भी दिखाता है।

6 पेंशन और भविष्य निधि के संबंध में, आरबीआई बुलेटिन सारणी 50बी में केवल सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) पर स्टॉक डेटा शामिल है।

7 डीजीआई II.8 सिफ़ारिश में कहा गया है, "जी20 अर्थव्यवस्थाओं को अन्य (गैर-बैंक) वित्तीय निगमों के क्षेत्र से संबन्धित डेटा सहित, आंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमत टेम्पलेट के आधार पर, त्रैमासिक और वार्षिक आवृत्ति पर क्षेत्रीय खातों के प्रवाह और तुलन पत्र डेटा को संकलित और प्रसारित करें, और तुलन पत्र विश्लेषण का समर्थन करने के लिए लेनदेन और स्टॉक दोनों के लिए किससे-किसके मैट्रिक्स विकसित करें। आईएजी, राष्ट्रीय लेखा पर अंतर-सचिवालय कार्य समूह (आईएसडब्ल्यूजीएनए) के सहयोग जी20 अर्थव्यवस्थाओं की प्रगति को प्रोत्साहित करें और उसकी निगरानी करें। 2021 तक के लक्ष्य में वार्षिक और त्रैमासिक आधार पर गैर-वित्तीय और वित्तीय खातों और तुलन पत्र का डेटा प्रसार शामिल है। अधिक उन्नत महत्वाकांक्षाओं में किससे-किसके आधार पर प्रस्तुत वार्षिक और त्रैमासिक वित्तीय क्षेत्र के खाते और वार्षिक गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थता आँकड़े शामिल हैं।

8 परिवारों द्वारा भौतिक निवेश पर डेटा राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) द्वारा वार्षिक आधार पर जारी किया जाता है।

9 ऋणग्रस्तता की घटना (आईओआई) किसी भी बकाया ऋण वाले परिवारों का प्रतिशत है।

2013 के परिणाम[10] की तुलना में वृद्धि हुई है। आरबीआई बुलेटिन में जारी वार्षिक एफएसएफ खातों में परिवारों के इक्विटी निवेश शामिल हैं, उनके मूल्य का अनुमान भुगतान की गई इक्विटी पूंजी के आधार पर लगाया गया है और बाजार मूल्य में उतार-चढ़ाव के कारण होने वाले बदलावों को शामिल नहीं किया गया है। यह लेख घरेलू आस्ति धारिता पर मूल्यांकन परिवर्तनों के प्रभाव को शामिल करने का प्रयास करता है। लेख में रोजगार से जुड़ी पेंशन और भविष्य निधि आस्तियां भी शामिल हैं, इस प्रकार उपलब्ध समय श्रृंखला का अवधि और विस्तार दोनों में फैलाव होता है (परिशिष्ट सारणी 1)।

II.1 डेटा स्रोत और वर्गीकरण

परिवारों से संबन्धित प्राथमिक डेटा के अभाव में, उनके खातों का अनुमान प्रतिपक्ष क्षेत्रों के डेटा के माध्यम से लगाया जाता है। भारत के मामले में, यह प्रतिपक्ष जानकारी आरबीआई, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए), भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई), लेखा महनियंत्रक (सीजीए), कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी),आदि सहित विभिन्न एजेंसियों/विनियामक द्वारा अच्छी तरह से परिभाषित और नियमित रूप से प्रकाशित की जाती है। इन संस्थाओं का डेटा मूल रूप से घरेलू वित्तीय तुलन पत्र और वित्तीय खाते दोनों के संकलन का आधार बनता है। वर्तमान अध्ययन जून 2011 के अंत (ति1:2011-12) से मार्च 2023 के अंत (ति4:2022-23)[11] तक तिमाही आधार पर परिवारों का वित्तीय तुलन पत्र प्रदान करता है। वित्तीय आस्तियों और देयताओं के घटकों को संबंधित स्रोतों और लिखत-वार वर्गीकरण के साथ सारणी 2 में सूचीबद्ध किया गया है।

वित्तीय आस्तियों और देयताओं का वर्गीकरण मौद्रिक और वित्तीय सांख्यिकी मैनुअल और संकलन मार्गदर्शिका

सारणी 2: वित्तीय आस्तियां और देयताएं

क्रम संख्या	वित्तीय आस्ति	स्रोत	वर्गीकरण
1	मुद्रा	आरबीआई, एनएचबी	मुद्रा
2	बैंक जमा	आरबीआई, एनएचबी	जमाराशियां
3	गैर-बैंक जमा (एनबीएफसी और एचएफसी)	आरबीआई, एनएचबी	जमाराशियां
4	लघु बचत	सीजीए	जमाराशियां
5	इक्विटी (सूचीबद्ध फर्म)	सीएमआईई प्रोवेस	इक्विटी और निवेश फंड
6	म्यूचुअल फंड	एएमएफआई, सेबी	इक्विटी और निवेश फंड
7	जीवन बीमा निधि	आईआरडीएआई	बीमा निधि
8	पेंशन योजनाएं (एपीवाई और एनपीएस)	पीएफआरडीए	पेंशन योजनाएं
9	ईपीएफओ भविष्य और पेंशन फंड	ईपीएफओ	पेंशन योजनाएं
10	राज्य भविष्य निधि	सीजीए, आरबीआई	पेंशन योजनाएं
11	ऋण प्रतिभूतियाँ	आरबीआई	ऋण प्रतिभूतियाँ
	देयताएं	**स्रोत**	**वर्गीकरण**
1	बैंक क्रेडिट	आरबीआई	ऋण
2	गैर-बैंक ऋण (एनबीएफसी, एचएफसी और बीमा)	आरबीआई, एनएचबी, आईआरडीएआई	ऋण

नोट: एनबीएफसी - गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां, एचएफसी - हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां, एपीवाई - अटल पेंशन योजना, एनपीएस - राष्ट्रीय पेंशन योजना।
स्रोत: लेखकों का संकलन।

[10] मल्होत्रा (2021) में संकलित भारतीय घरेलू तुलन पत्र में, लेखक एआईडीआईएस के विभिन्न दौरों द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर गैर-संस्थागत से संस्थागत घरेलू ऋण के अनुपात की गणना करके घरेलू गैर-संस्थागत देयतायों के अनुमान शामिल करता है।

[11] तिमाही डेटा का अनुमान जून के अंत (ति1), सितंबर के अंत (ति2), दिसंबर के अंत (ति3) और मार्च के अंत (ति4) में लगाया गया है।

(आईएमएफ, 2016) और एसएनए 2008[12] में उल्लिखित मौद्रिक और वित्तीय क्षेत्र के आंकड़ों के ढांचे के अनुसार संरेखित किया गया है। जमा, जो मानक गैर-परक्राम्य अनुबंध हैं, वह बाद में आहरण के लिए रखी गई धनराशि है जिसमें बैंक और गैर-बैंक जमा के साथ-साथ सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ), राष्ट्रीय बचत जमा (एनएसडी) एवं राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) सहित लघु बचत निधि (एसएसएफ) शामिल हैं। चूंकि पीपीएफ की प्रकृति रोजगार आधारित भविष्य निधि के बजाय व्यक्तिगत निवेश योजना की है, इसलिए इसे पेंशन और भविष्य निधि के बजाय जमा का हिस्सा माना गया है। एनएससी, एक गैर-परक्राम्य जमा प्रमाणपत्र होने के कारण, इसे ऋण प्रतिभूतियों के बजाय जमा के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। बैंक और गैर-बैंक[13] जमाओं का डेटा आरबीआई द्वारा जारी बैंकिंग आंकड़ों से प्राप्त किया जाता है, जबकि छोटी बचत से संबधित आंकड़ें सीजीए द्वारा जारी मासिक लेखा द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

पेंशन योजनाओं में अपने नियोक्ता के पास कर्मचारियों के मौजूदा और भविष्य के दावे, या सेवानिवृत्ति पर कर्मचारियों को मुआवजा देने के लिए नियोक्ता द्वारा नामित एक फंड शामिल है। इस श्रेणी के अंतर्गत तीन रोजगार-आधारित पेंशन योजनाएं : (i) ईपीएफओ प्रबंधित भविष्य और पेंशन निधि योजनाएं, (ii) एपीवाई और एनपीएस की प्रबंधन के तहत आस्ति (एयूएम), और (iii) केंद्र और राज्य सरकारों की राज्य भविष्य निधियां (एसपीएफ) शामिल हैं। जबकि एपीवाई, एनपीएस और केंद्र सरकार एसपीएफ के आंकड़े मासिक आधार पर उपलब्ध हैं, ईपीएफओ निधि और राज्य सरकार एसपीएफ का वार्षिक डेटा क्रमशः एनपीएस और केंद्र सरकार के आंकड़ों में त्रैमासिक रुझानों के आधार पर त्रैमासिक आवंटित किया जाता है। सूचीबद्ध कॉरपोरेट्स में परिवारों की इक्विटी धारिता का बाजार मूल्य (अगले उप-अनुभाग में चर्चा की गई है), म्यूचुअल फंड में निवेश के स्टॉक के साथ मिलकर, इक्विटी और निवेश फंड बनाते हैं। म्यूचुअल फंड में निवेश को सितंबर 2014 यानी, ति2: 2014-15 से तिमाही आधार पर एएमएफआई द्वारा प्रकाशित योजना-वार एयुएम[14] के योग के रूप में लिया है। इससे पहले, एएमएफआई द्वारा अर्ध-वार्षिक आधार पर डेटा प्रकाशित किया जाता था जिसे प्रक्षेपित किया जाता है। जीवन बीमा निधि में निवेश आईआरडीएआई द्वारा वार्षिक आधार पर प्रकाशित उद्योग-व्यापी आंकड़ों से लिया जाता है; त्रैमासिक श्रृंखला तैयार करने के लिए नमूना जीवन बीमा कंपनियों के त्रैमासिक डेटा का उपयोग किया जाता है। ख़जाना बिल और सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सहित सरकारी बॉन्ड में घरेलू निवेश ऋण प्रतिभूतियों का हिस्सा है।

II.2 सूचीबद्ध इक्विटी में घरेलू संपत्ति

सूचीबद्ध फर्मों में इक्विटी के स्वामित्व से संबंधित डेटा तिमाही आधार पर सीएमआईई प्रोवेस डेटाबेस में उपलब्ध है। इसे मोटे तौर पर और आगे पृथक्करण के साथ दो समूहों यानी, प्रवर्तक और गैर-प्रवर्तक द्वारा स्वामित्व में विभाजित किया गया है, (एक्जिबिट 1)। परिवारों की इक्विटी संपत्ति का अनुमान दो समूहों : (i) भारतीय प्रवर्तक व्यक्ति और हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) - प्रवर्तक परिवार; और (ii) गैर-प्रवर्तक व्यक्ति - बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सूचीबद्ध कंपनियों के गैर-प्रवर्तक परिवार[15] की शेयर धारिता के अनुसार बाजार पूंजीकरण को जोड़कर लगाया जाता है[16]।

प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी में घरेलू इक्विटी संपत्ति की गणना तिमाही स्तर पर कंपनी के कुल बाजार पूंजीकरण के साथ प्रवर्तक

---

[12] एसएनए 2008 के अनुसार वित्तीय संपत्तियों की (i) मौद्रिक स्वर्ण और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर), (ii) मुद्रा और जमा, (iii) ऋण प्रतिभूतियां, (iv) ऋण, (v) इक्विटी और निवेश निधि, (vi) बीमा, पेंशन और मानकीकृत गारंटी योजनाएं, (vii) वित्तीय डेरिवेटिव और कर्मचारी स्टॉक विकल्प (ईएसओ) और (viii) अन्य प्राप्य/देय खाते यह मुख्य श्रेणियां हैं।

[13] 2011-12 से 2013-14 के लिए एचएफसी के पास जमा के आंकड़े वार्षिक आधार पर उपलब्ध हैं और 2014-15 से 2016-17 के औसत तिमाही शेयरों के आधार पर तिमाहियों में आवंटित किए गए हैं।

[14] उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों (एचएनआई) के लिए एयूएम और विभिन्न योजनाओं के तहत खुदरा क्षेत्रों को परिवारों के लिए म्यूचुअल फंड एयूएम के रूप में एक साथ लिया जाता है।

[15] गैर-सूचीबद्ध इक्विटी को घरेलू वित्तीय संपत्ति के आकलन से बाहर रखा गया है।

[16] नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा जारी इंडिया ओनरशिप ट्रैकर रिपोर्ट, एनएसई सूचीबद्ध कंपनियों का स्वामित्व विभाजन भी प्रदान करती है; हालाँकि, 2023-24 की दूसरी तिमाही से पहले की अवधि के लिए समान विवरण में त्रैमासिक आधार पर उपलब्ध नहीं है। 2023-24 से पहले की अवधि के लिए, ट्रैकर केवल व्यापक विभाजन जैसे, (i) निजी भारतीय प्रवर्तक, (ii) सरकार, (iii) विदेशी प्रवर्तक, (iv) घरेलू म्यूचुअल फंड, (v) बैंक, एफआई और बीमा, (vi) विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई), (vii) गैर-प्रवर्तक कॉर्पोरेट, और (viii) खुदरा प्रदान करता है।

एक्झिबिट 1: सूचीबद्ध कंपनियों का इक्विटी स्वामित्व

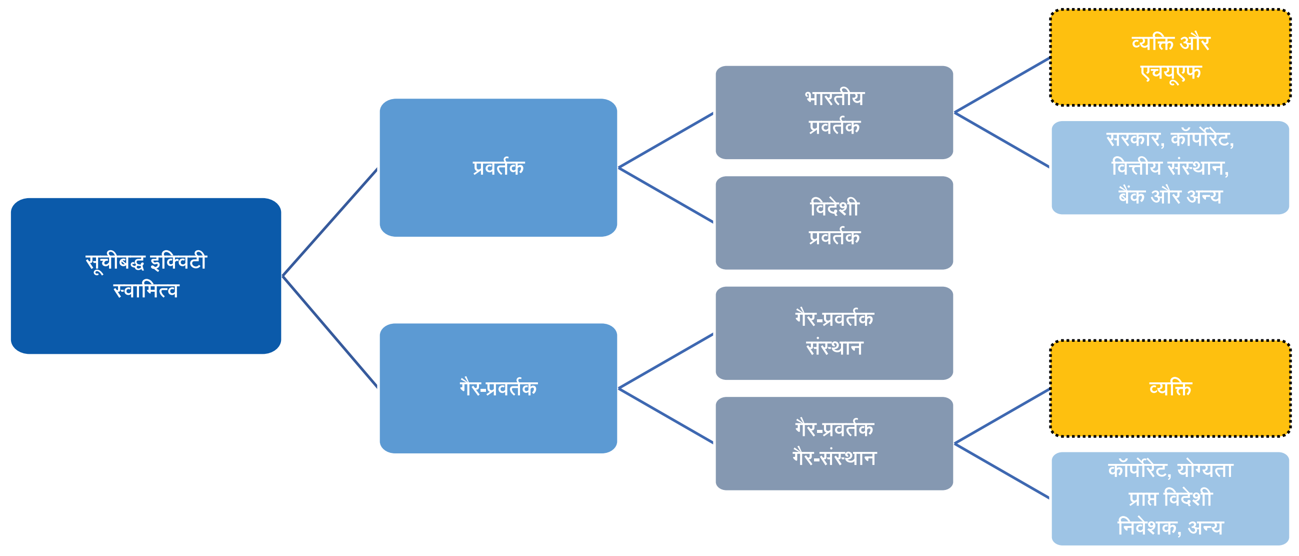

स्रोत: सीएमआईई प्रोवेस।

और गैर-प्रवर्तक घरेलू समूहों द्वारा धारित शेयरों के अनुपात को गुणा करके की जाती है। तदनुसार, कुल इक्विटी संपत्ति सभी सूचीबद्ध कंपनियों के लिए कंपनी स्तर की घरेलू इक्विटी धारिता एकत्रित करके निकाली जाती है (समीकरण 1)।

घरेलू इक्विटी संपत्ति = Σ_i [(प्रवर्तक परिवारों और गैर-प्रवर्तक परिवारों द्वारा धारित शेयरों का अनुपात)$_i$ X बाजार पूंजीकरण$_i$], जहां i = बीएसई सूचीबद्ध कंपनी (1)

मार्च 2010 से मार्च 2023 के दौरान कुल बाजार पूंजीकरण में परिवारों की हिस्सेदारी औसतन लगभग 14.5 प्रतिशत थी, जिसमें रुक-रुक कर उतार-चढ़ाव के साथ आम तौर पर बढ़ती प्रवृत्ति का अनुभव हुआ। शेयर बाजार में महामारी के बाद की रिकवरी कुल बाजार पूंजीकरण में घरेलू हिस्सेदारी में वृद्धि के साथ हुई, जो मुख्य रूप से गैर-प्रवर्तक परिवारों की शेयरधारिता में तेजी से वृद्धि के कारण हुई (चार्ट 1)।

चार्ट 1: सूचीबद्ध इक्विटी में घरेलू संपत्ति

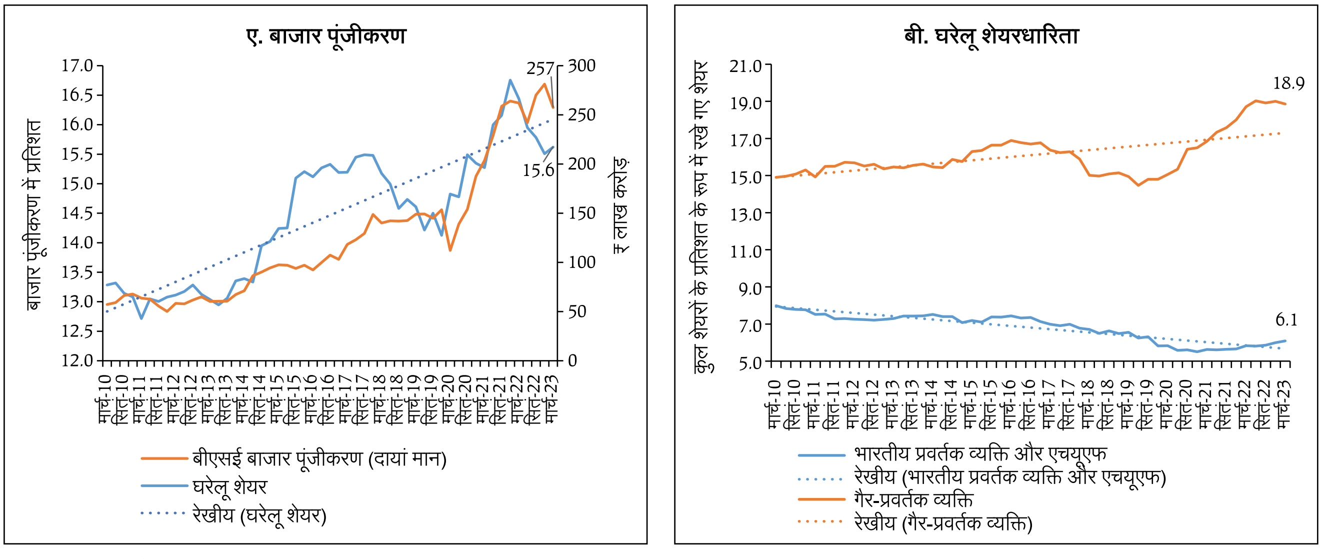

स्रोत: सीएमआईई प्रोवेस।

चार्ट 2: घरेलू वित्तीय संपत्तियां और देनदारियां

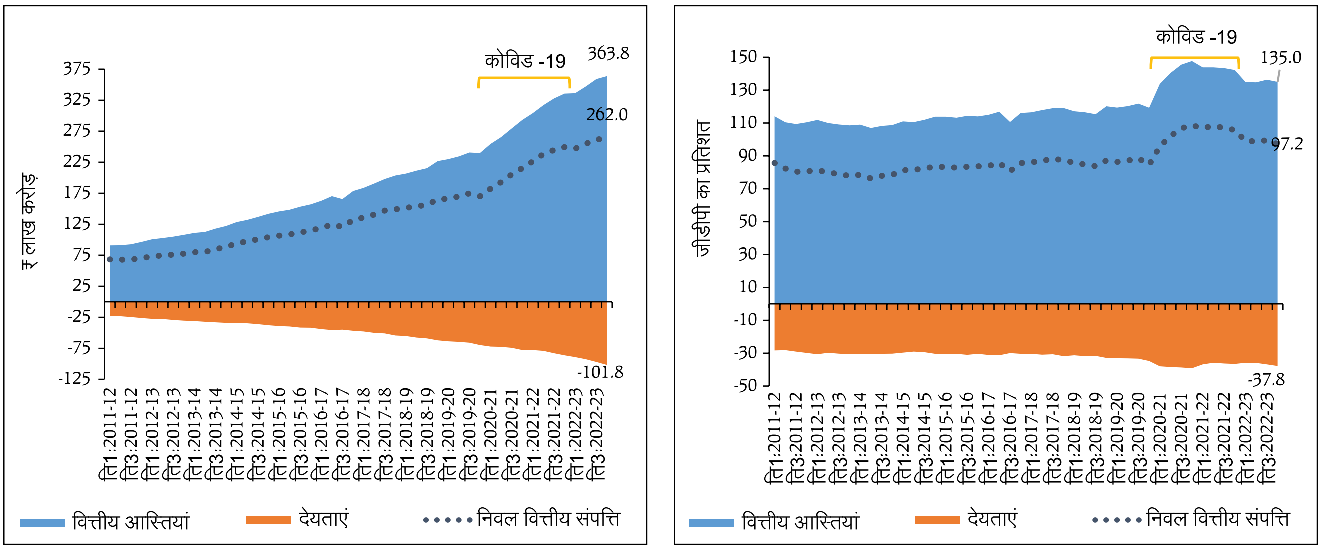

स्रोत: लेखकों की गणना।

उपरोक्त अनुमान के अनुसार, 2011-12 की पहली तिमाही में परिवारों की इक्विटी संपत्ति सकल घरेलू उत्पाद का 10.3 प्रतिशत थी, जो 2021-22 की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद के 19.4 प्रतिशत के शिखर पर पहुंच गई, और फिर बाद में 2022-23 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद के 14.9 प्रतिशत तक नीचे आ गई।

III. भारत में घरेलू वित्तीय संपत्ति में रुझान

मार्च 2023 तक, कुल घरेलू वित्तीय संपत्ति ₹363.8 लाख करोड़ होने का अनुमान है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 135.0 प्रतिशत के बराबर है। इसके विपरीत, बकाया देयताएं ₹101.8 लाख करोड़ थीं, जो सकल घरेलू उत्पाद का 37.8 प्रतिशत है। परिणामी, एनएफडब्ल्यू ₹262.0 लाख करोड़ (जीडीपी का 97.2 प्रतिशत) अनुमानित है। महामारी की अवधि में मार्च 2020 से मार्च 2022 तक दो साल की अवधि के लिए वित्तीय आस्तियों और एनएफडब्ल्यू में उछाल देखा गया (चार्ट 2)। 2022-23 में, सामान्य आर्थिक गतिविधियों की बहाली के साथ, वित्तीय संपत्तियों में अपेक्षाकृत संयत वृद्धि के साथ - साथ बैंक व गैर-बैंक ऋण दोनों में मजबूत पुनःप्रवर्तन के कारण परिवारों के लिए एनएफडब्ल्यू भी सामान्य हो गया।

जून 2011 से मार्च 2023 तक अध्ययन की पूरी अवधि के लिए, वित्तीय आस्तियां 3.0 प्रतिशत की चक्रवृद्धि त्रैमासिक वृद्धि दर (सीक्यूजीआर) से बढ़ीं, जबकि देयाताएं 3.3 प्रतिशत की सीक्यूजीआर से बढ़ीं; इसी अवधि के दौरान एनएफडब्ल्यू ने 2.9 प्रतिशत का सीक्यूजीआर दर्ज किया (चार्ट 3)।

III.1 वित्तीय आस्तियों में संरचनात्मक बदलाव

यद्यपि, अन्य निवेश साधनों, जैसे कि इक्विटी और निवेश फंड और बीमा और पेंशन फंड के लिए बढ़ते ब्याज के साथ, पिछले दशक में कुल वित्तीय संपत्ति में जमाराशियों ने अपना

चार्ट 3: घरेलू वित्तीय आस्तियों का सीक्यूजीआर और देयताएं

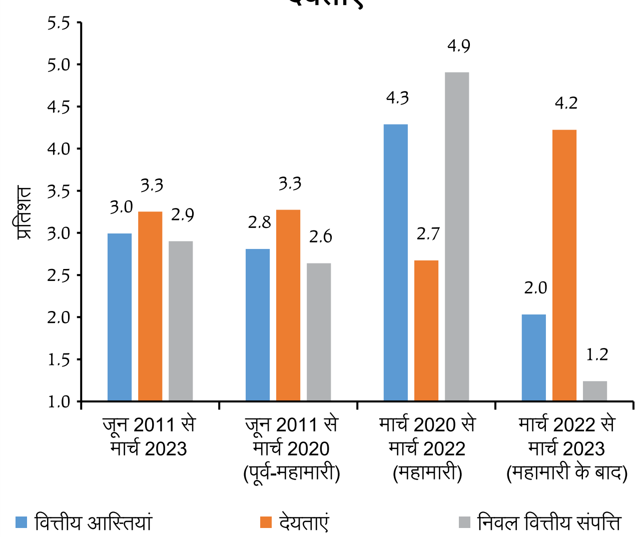

स्रोत: लेखकों की गणना।

चार्ट 4: वित्तीय आस्तियों का संयोजन

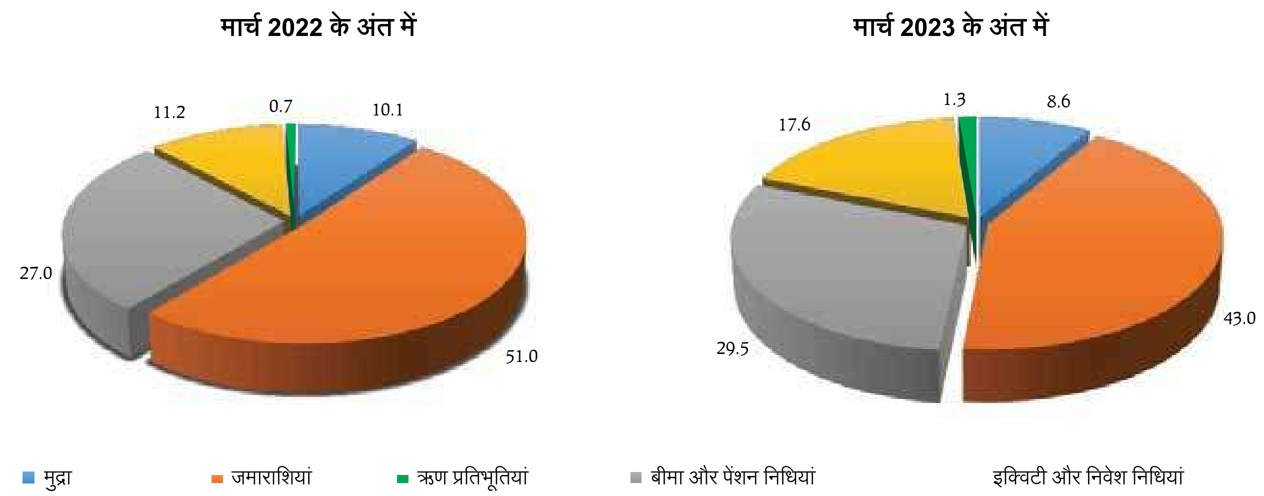

स्रोत: लेखकों की गणना।

प्रभुत्व बनाए रखा है। 2011-12 और 2022-23 के बीच कुल वित्तीय संपत्ति में इक्विटी और निवेश फंड की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई। डिजिटल भुगतान में तेजी से वृद्धि के बीच, घरेलू वित्तीय आस्तियों में मुद्रा हिस्सेदारी कम हो गई है (चार्ट 4 और 5)।

इक्विटी बाजार में भारतीय घरेलू भागीदारी समय के साथ बढ़ी है जिसमें कुल डीमैट खाते 2018-19 में 3.6 करोड़ से बढ़कर 2022-23 में 11.4 करोड़ तक पहुंच गए हैं (सेबी, 2023)। मार्च 2023 तक भारतीय परिवारों की कुल वित्तीय आस्तियों में सूचीबद्ध इक्विटी होल्डिंग्स की हिस्सेदारी 11.1 प्रतिशत थी (चार्ट 6)।

महामारी की शुरुआत के बाद, शेयर बाजार में गिरावट से 2019-20 की चौथी तिमाही में परिवारों की निवल वित्तीय संपत्ति को पिछली तिमाही की तुलना में लगभग 3.0 प्रतिशत कम कर

चार्ट 5: वित्तीय आस्तियों की संवृद्धि में योगदान

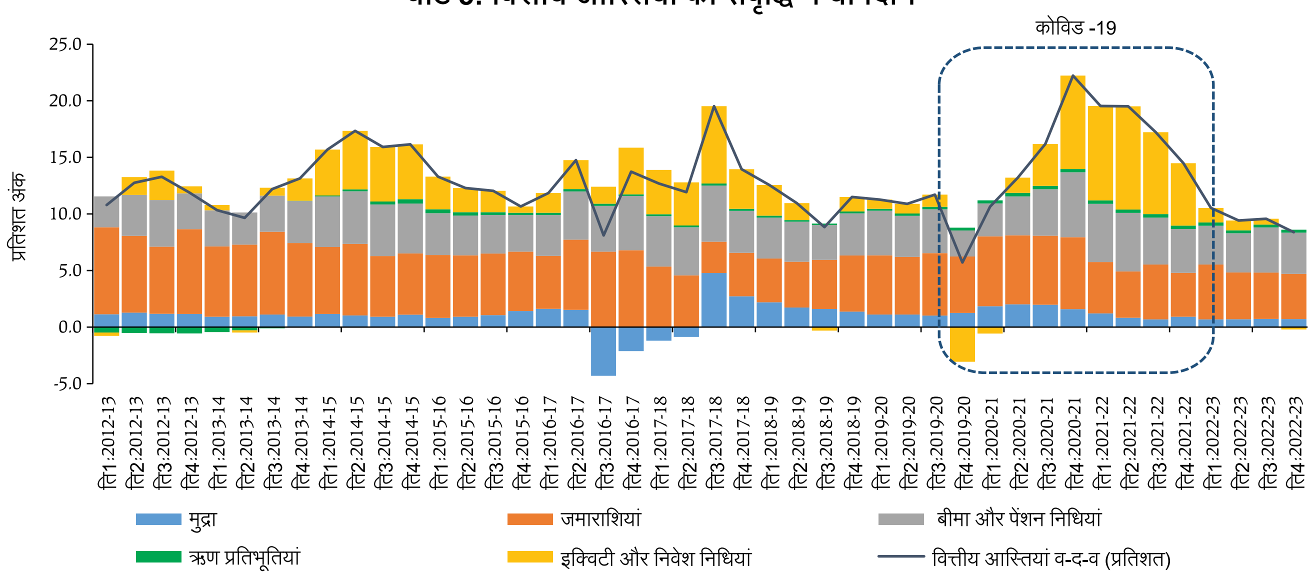

स्रोत: लेखकों की गणना।

चार्ट 6: सूचीबद्ध इक्विटी होल्डिंग्स
(31 मार्च 2023 तक)

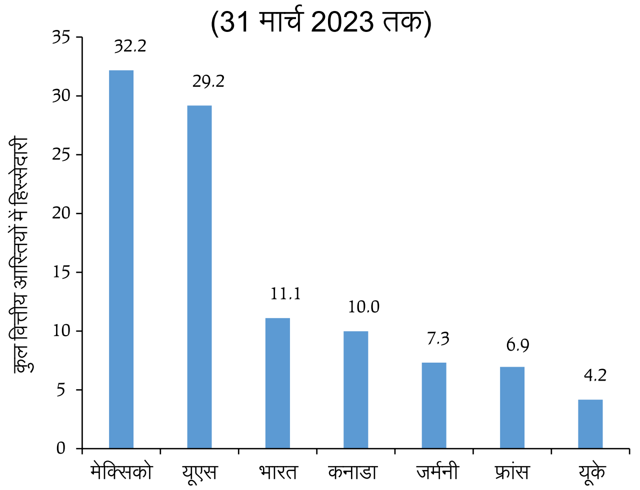

नोट: 1. गैर-सूचीबद्ध इक्विटी में निवेश को छोड़कर, कुल वित्तीय आस्तियों के प्रतिशत के रूप में सूचीबद्ध इक्विटी में निवेश।
2. 06 जून 2024 तक निकाला गया डेटा।
स्रोत: ओईसीडी आँकड़े और लेखकों की गणना।

चार्ट 8: वित्तीय आस्तियों में परिवर्तनों का वियोजन

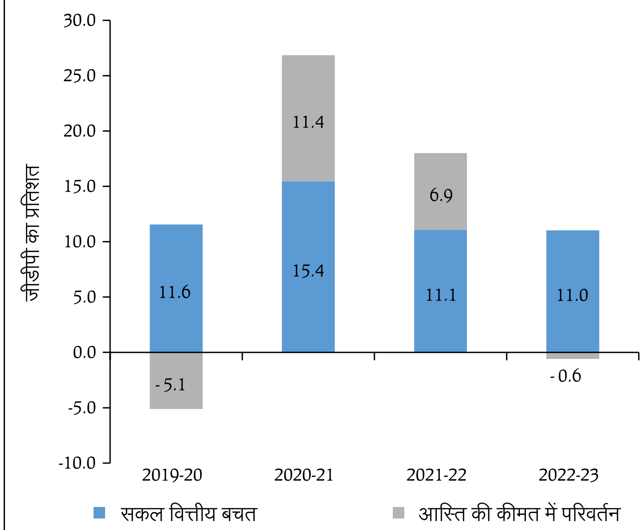

स्रोत: लेखकों की गणना।

दिया। महामारी के कारण खर्च पर लगे प्रतिबंधों और उसके बाद शेयर बाजार के पुनःप्रवर्तन के कारण 2020-21 में बचत और जमा के संचय से यह गिरावट कहीं अधिक थी। संचयी आधार पर, दिसंबर 2019 को समाप्त तिमाही और मार्च 2023 को समाप्त तिमाही के बीच परिवारों की वित्तीय आस्ति ₹123.2 लाख करोड़ बढ़ गई; इस वृद्धि का लगभग 23 प्रतिशत आस्ति मूल्य में वृद्धि के कारण था और शेष वृद्धिशील वित्तीय बचत[17] (चार्ट 7 और 8) के कारण था।

चार्ट 7: कोविड -19 से वित्तीय आस्ति संचयन

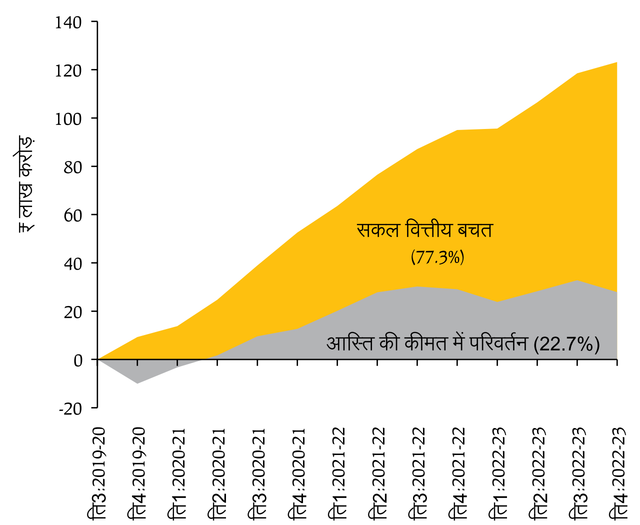

स्रोत: लेखकों की गणना।

III.2 घरेलू ऋण की संरचना

बंधक उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (एई) में घरेलू ऋण का बड़ा हिस्सा (50 प्रतिशत से अधिक) बनाते हैं, जबकि उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में गैर-बंधक ऋण कुल का कम से कम दो-तिहाई होता है (आईएमएफ, 2017)। बाद वाले में सुरक्षित और असुरक्षित दोनों प्रकार के व्यक्तिगत ऋण जैसे वाहन ऋण, शिक्षा ऋण, क्रेडिट कार्ड बकाया, उद्योग के लिए व्यवसाय ऋण, व्यापार, परिवहन, वित्त और कृषि के लिए ऋण शामिल हैं। अन्य ईएमई के समान, भारत में बैंकिंग क्षेत्र कुल ऋण में लगभग 80 प्रतिशत शेयर के साथ परिवारों के लिए ऋण आपूर्तिकर्ता के रूप में हावी है; गैर-बैंक संस्थाएं यानी एचएफसी और एनबीएफसी भी हाल के वर्षों में ऋण के स्रोत के रूप में तेजी से उभर रही हैं। मार्च 2012 के अंत से मार्च 2023 के अंत तक गैर-बैंक ऋण की हिस्सेदारी में लगभग 7.0 प्रतिशत अंक की वृद्धि हुई (चार्ट 9)।

[17] वित्तीय आस्तियों में कुल परिवर्तन को सकल वित्तीय बचत और आस्तियों की कीमतों में परिवर्तन में विभाजित किया जा सकता है। संबन्धित अवधि के दौरान की गई बचत में कटौती के बाद, म्यूचुअल फंड, पेंशन फंड और जीवन बीमा फंड की इक्विटी और एयूएम में परिवर्तन को आस्ति मूल्य परिवर्तनों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

चार्ट 9: घरेलू ऋण

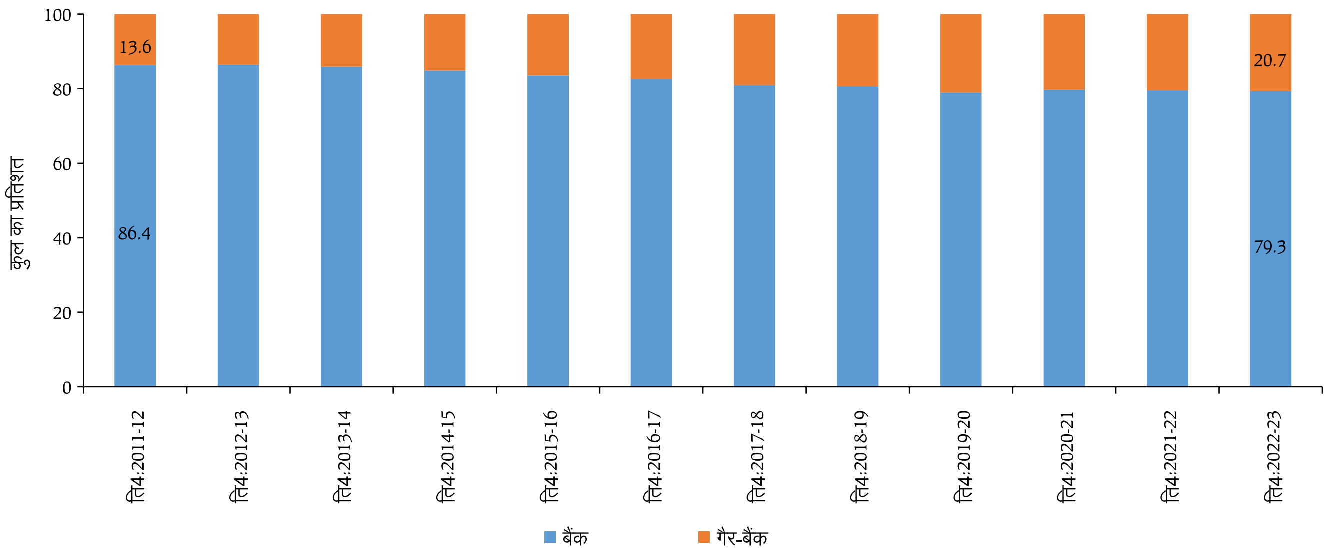

स्रोत: लेखकों की गणना।

ऊंचे ऋण स्तर की मौजूदगी में प्रतिकूल आय झटके बढ़ सकते हैं (मियां *एट अल*., 2017, ज़ाबाई, 2017)। जबकि भारतीय परिवारों की ऋणग्रस्तता वित्तीय गहराई को दर्शाते हुए ऊपर की ओर बढ़ रही है, इसे उनकी वित्तीय आस्तियों में वृद्धि के संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। घरेलू "लीवरेज" अनुपात - जिसे घरेलू ऋण और वित्तीय आस्तियों के अनुपात के रूप में परिभाषित किया गया है - 2011-12 से काफी हद तक समतल और सीमित बना हुआ है (चार्ट 10)।

IV. आगे बढ़ने की राह

यह लेख 2011-12 से 2022-23 के लिए परिवारों के तिमाही वित्तीय तुलन पत्र और उनकी निवल वित्तीय संपत्ति का

चार्ट 10: घरेलू लीवरेज

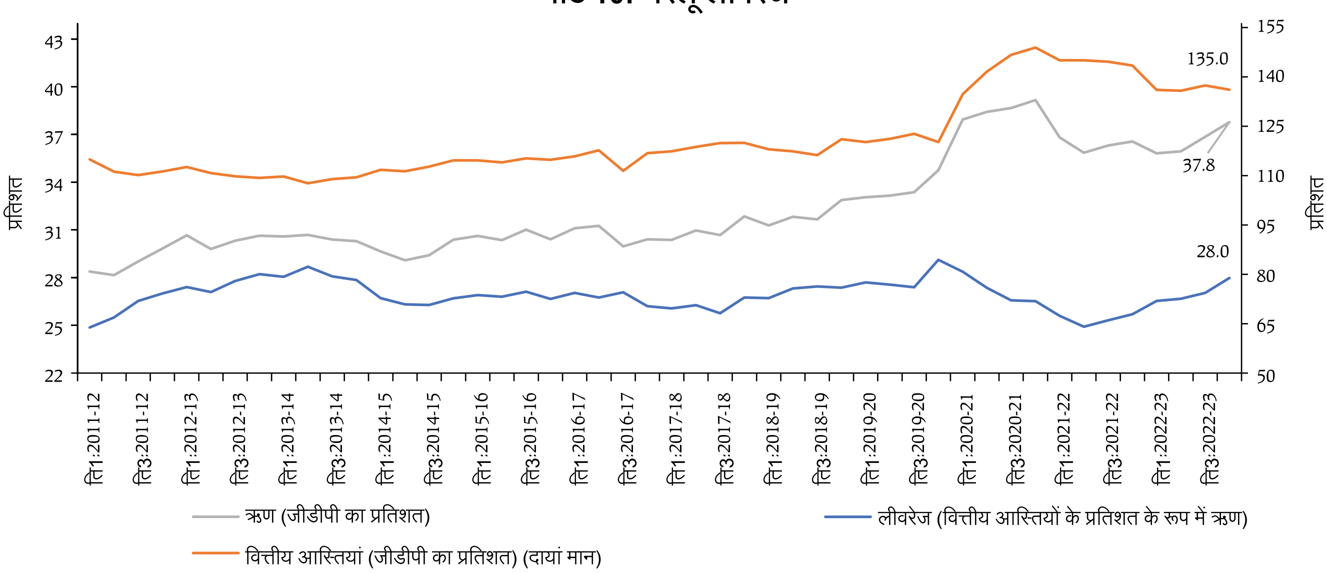

स्रोत: लेखकों की गणना।

अनुमान प्रस्तुत करता है। हालांकि बाजार-आधारित लिखतों की हिस्सेदारी बढ़ रही है लेकिन विश्लेषण से संकेत मिलता है कि जमा अभी भी बचत का सबसे पसंदीदा साधन है। देयताओं में धीमी वृद्धि के साथ-साथ गतिशीलता और खर्च पर महामारी-प्रेरित प्रतिबंधों के कारण, 2020-21 में वित्तीय आस्तियों और निवल वित्तीय संपत्ति का संचयन बढ़ गया; स्थिति सामान्य होने पर घरेलू खपत में बढ़ोतरी हुई है, तब से निवल वित्तीय संपत्ति में कुछ सामान्यता देखी गई है।

इस पेपर में घरेलू वित्तीय संपत्ति के अनुमान में डेटा उपलब्धता के मुद्दों के कारण, विशेष रूप से गैर-सूचीबद्ध कॉर्पोरेट क्षेत्र में उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों द्वारा किए गए निवेश को शामिल नहीं किया गया है। वैश्विक स्तर पर, गैर-सूचीबद्ध इक्विटी होल्डिंग्स में घरेलू वित्तीय संपत्ति सूचीबद्ध इक्विटी संपत्ति से अधिक है, जो फ्रांस, कनाडा और यूके में सकल घरेलू उत्पाद का क्रमशः लगभग 36.6 प्रतिशत, 23.5 प्रतिशत और 11.6 प्रतिशत है[18]। भारत में, मई 2024 के अंत तक सूचीबद्ध केवल 6,658 कंपनियों की तुलना में 17.1 लाख सक्रिय गैर-सूचीबद्ध/प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां मौजूद हैं; इन गैर-सूचीबद्ध कंपनियों में घरेलू हिस्सेदारी की जानकारी और उनके मूल्यांकन में स्थिरता से इस अध्ययन[19] में प्रस्तुत वित्तीय संपत्ति के अनुमान को मजबूत करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, भारत में महत्वपूर्ण घरेलू निवेश अभी भी गैर-वित्तीय आस्ति जैसे रियल एस्टेट, स्वर्ण और कीमती धातुओं में प्रवाहित होता है। नियमित और व्यापक घरेलू संपत्ति सर्वेक्षण वित्तीय और भौतिक आस्तियों और देयताओं दोनों को शामिल करते हुए, घरेलू कुल संपत्ति के अनुमान को बढ़ा सकता है।

संदर्भ:

IMF (2016). Monetary and Financial Statistics Manual and Compilation Guide, 2016.

Ludwig, A., and Sløk, T. (2004). The relationship between stock prices, house prices and consumption in OECD countries. *Contributions in Macroeconomics*, 4(1), 20121017.

Mian, A., Sufi, A., & Verner, E. (2017). Household debt and business cycles worldwide. The Quarterly Journal of Economics, 132(4), 1755-1817.

NSC (2018). Report of the Committee on Financial Sector Statistics. National Statistical Commission. May 2018.

NSO(2021). All India Debt and Investment Survey 2019, NSS 77th Round, National Statistical Office, Ministry of Statistics and Programme Implementation, Government of India.

OECD (2017). *Understanding Financial Accounts.* OECD Publishing.

Prakash, A., Shukla, A. K., Ekka, A. P., Priyadarshi, K. and Bhowmick, C. (2019). Financial Stocks and Flows of the Indian Economy 2011-12 to 2017-18. RBI Bulletin, July, Reserve Bank of India.

Prakash, A., Shukla, A. K., Ekka, A. P. and Priyadarshi, K. (2018). Quarterly Estimates of Households' Financial Assets and Liabilities. RBI Bulletin, March, Reserve Bank of India.

RBI (2023). Annual Report 2022-23. Reserve Bank of India.

SEBI (2023). Annual Report 2022-23. Securities and Exchange Board of India.

Shorrocks, A., Lluberas, R., Davies, J., Waldenström, D. (2023). Global Wealth Report 2023. Credit Suisse Research Institute (CSRI), Credit Suisse AG, UBS.

SNA (2008). System of National Accounts 2008. United Nations.

Zabai, A. (2017). Household debt: recent developments and challenges. BIS Quarterly Review, December.

[18] डेटा ओईसीडी आँकड़े - त्रैमासिक गैर-समेकित वित्तीय तुलन पत्र (त्रैमासिक सारणी 720) - मार्च 2023 तक एसएनए 2008 से प्राप्त किया गया है।

[19] सक्रिय कंपनियों का डेटा कॉर्पोरेट मामले मंत्रालय के मई 2024 के मासिक सूचना बुलेटिन पर आधारित है।

परिशिष्ट सारणी 1: घरेलू वित्तीय संपत्ति और देयताएं

(जीडीपी का प्रतिशत)

तिमाही	वित्तीय आस्तियां	देयताएं	निवल वित्तीय संपत्ति
जून-11	114.1	28.4	85.7
सितम्बर-11	110.5	28.2	82.3
दिसंबर-11	109.4	29.0	80.4
मार्च-12	110.5	29.8	80.6
जून-12	111.8	30.7	81.2
सितम्बर-12	110.0	29.8	80.2
दिसंबर-12	109.1	30.3	78.8
मार्च-13	108.6	30.6	77.9
जून-13	109.0	30.6	78.4
सितम्बर-13	107.0	30.7	76.3
दिसंबर-13	108.2	30.4	77.8
मार्च-14	108.8	30.3	78.5
जून-14	111.0	29.6	81.4
सितम्बर-14	110.5	29.1	81.5
दिसंबर-14	111.9	29.4	82.5
मार्च-15	113.8	30.4	83.4
जून-15	113.8	30.6	83.2
सितम्बर-15	113.2	30.4	82.9
दिसंबर-15	114.4	31.0	83.4
मार्च-16	114.0	30.4	83.6
जून-16	115.0	31.1	83.9
सितम्बर-16	116.9	31.3	85.6
दिसंबर-16	110.7	30.0	80.7
मार्च-17	116.0	30.4	85.6
जून-17	116.5	30.4	86.1
सितम्बर-17	117.9	31.0	86.9
दिसंबर-17	119.0	30.7	88.4
मार्च-18	119.1	31.8	87.2
जून-18	117.1	31.3	85.9
सितम्बर-18	116.5	31.8	84.7
दिसंबर-18	115.4	31.7	83.7
मार्च-19	120.1	32.9	87.3
जून-19	119.3	33.1	86.3
सितम्बर-19	120.3	33.2	87.1
दिसंबर-19	121.8	33.4	88.5
मार्च-20	119.3	34.7	84.6
जून-20	133.7	37.9	95.8
सितम्बर-20	140.4	38.4	102.0
दिसंबर-20	145.5	38.7	106.8
मार्च-21	147.7	38.9	108.8
जून-21	143.8	36.6	107.3
सितम्बर-21	143.9	35.6	108.3
दिसंबर-21	143.4	36.1	107.3
मार्च-22	142.3	36.5	105.7
जून-22	134.9	35.8	99.2
सितम्बर-22	134.7	35.9	98.8
दिसंबर-22	136.3	36.8	99.5
मार्च-23	135.0	37.8	97.2